Fraser South Early Psychosis Intervention Program

साएकोसिस (मनोविकृति) का कारण क्या है ?
CAUSES OF PSYCHOSIS

साएकोसिस रोग बहुत प्रकार का होता है। इसमें औरगानिक साएकोसिस, नशे से पाया गया साएकोसिस, डिप्रैसिव साएकोसिस, सक्ज़िोफ़ेनीर्फोम रोग, सक्ज़िोअफ़ैकटिव रोग, सक्ज़िोफ़रेनिया और बाएपोलर रोग शामिल हैं। वैसे तो यह सारे साएकोसिस एक जैसे कारणों से होते हैं लेकिन हम नीचे सक्ज़िोफ़रेनिया और बाएपोलर रोग के उदाहरण देंगें क्योंकि हम इन्हें दूसरे प्रकार के साएकोसिस से ज़्यादा समझते हैं।

दिमाग में रासायनिक असंतुलन (chemical imbalance) होने के कारण साएकोसिस होता है। पिछले कुछ दशकों की खोज हमें यह बताती है कि यह असंतुलन दोनो जीन्स में र्निबलता (genetic vulnerability) और आपके वातावर्ण (environmental vulnerability) के कारण होता है।

हर इन्सान की र्निबलता का एक अलग स्थर होता है पर यह समझना बहुत ज़रूरी है कि एक से ज़्यादा र्निबलताओं का मेल साएकोसिस होने का कारण होता है। नीचे दी गई तस्वीर यह दर्शाती है कि कैसे यह र्निबलता पैदा करने वाले कारण मिल के साएकोसिस पैदा करते हैं। भरा हुआ जार (बर्तन) साएकोसिस वाले मनुष्य का प्रतिनिधित्व करता है।

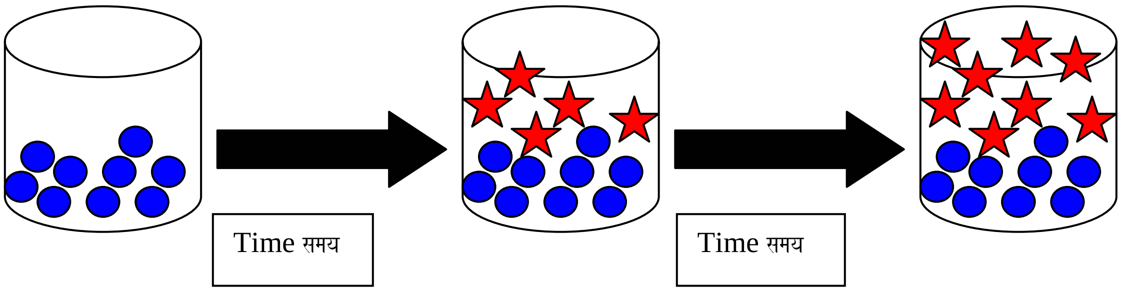

Unaffected असर नही , अरोग
Jar is not full बर्तन भरा हुआ नहीं है।

Unaffected असर नही , अरोग
Jar is not full बर्तन भरा हुआ नहीं है।

PSYCHOSIS साएकोसिस रोग
Jar is full बर्तन भरा हुआ है।

● = **Genetic vulnerability factor** जैनिटिक र्निबलता के कारण

★ = **Environmental vulnerability factor** माहौल से हुई र्निबलता के कारण

जीनस में र्निबलता (GENETIC VULNERABILITY)

हमारे डी एन ए (DNA) में जीनस (genes) होते हैं जो हमारे शरीर को प्रोटीन बनाने का आदेश देते हैं। यह प्रोटीन हमारे शरीर के भिन्न भिन्न सैलस बनाने में ईट पत्थर का काम देते हैं। इसमें शामिल हैं न्यूरोट्रांसमीटरस (neurotransmitters), रिसैपटरस (receptors) और ट्रांसपोटरस (transporters) जो हमारे दिमाग में होते हैं।

जब जीन्स में गल्ती होती है तो उसे मयूटेशन (mutation) कहते हैं। यह मयूटेशन आम होती हैं और सब को कभी न कभी होती हैं। अगर जिन जीनस में गल्ती होती है ओर वो प्रोटीन बनाते हैं तो वह प्रोटीन उतने अच्छे से काम नही करते जैसे उन्हें करना चाहिए। हॉलाकि खोज ने यह पाया है कि यह म्यूटेशनस काफी जीनस में पाई जाती हैं और जो वैज्ञानिक सोचते हैं कि सक्ज़िोफ़रेनिया और बाएपोलर रोग होने में भागी है। इन जीनस को ढूंढ पाना साएकोसिस के विधान और इलाज में काम आ सकता है।

वातावर्ण से र्निबलता (ENVIRONMENTAL VULNERABILITY)

वातावर्ण में ऐसी बहुत सी र्निबलताऐं हैं जो कि साएकोसिस होने की सम्भावना थोड़ी बढ़ा देती हैं। जैसे कि खोज यह दिखाती है कि सक्ज़िोफ़रेनिया के रोगियों को दूसरों के निश्पत पैदा होने के समय दुगनी परेशानी आती है। वातावर्ण में र्निबलता के और कई कारण हो सकते हैं जैसे कि सर्दिया में पैदा होना, एक बड़े शहर में बढ़े होना, इमिग्रेशन, बचपन में

सर पर चोट लगना, ज़िन्दगी में तनाव भरी स्थितियाँ और नशे करना इत्यादि।

लोगों में साएकोसिस होने की सम्भावना
Chances for people to develop psychosis

साएकोसिस आम हैं और लगभग 3 प्रतिशत लोगों को होता है। सक्ज़िोफरेनिया (schizophrenia) लगभग 1 प्रतिशत लोगों को होता है, बाएपोलर रोग (bipolar disorder) लगभग 1 से 2 प्रतिशत लोगों को होता और गंभीर उदासी (major depression) लगभग 5 से 10 प्रतिशत लोगों में होती है।

सदियों से यह माना जाता है कि साएकोसिस परिवार में चला आता है पर इस के कारण साफ पता नही थे। पर कुछ दशकों की खोज हमें यह समझने में सहायता कर रही है कि यह क्यों होता है।

अगर आपके परिवार में किसी को साएकोसिस है तो आपको साएकोसिस होने की संभावना बढ जाती है। जैसे कि जिस के भाई-बहन या माँ-बाप में किसी को भी सक्ज़िोफरेनिया या बाएपोलर रोग हो तो उनके 10 से 15 प्रतिशत सम्भावना बढ़ जाती है कि उन्हें खुद ही कोई रोग हो जाएगा।

ज़रूरी Important: अगर आप के किसी परिवार जन को साएकोसिस है और आपको उसकी फ़िर्क है कि आपको साएकोसिस होने की कितनी सम्भावना है, फिर किसी परिवार जन के लिए परेशान हैं तो अपने परिवारिक डॉक्टर से बात करें या फिर किसी मनोविज्ञानिक से कहें कि वह आपको किसी पास के मैडिकल जैनिटिकस डिपार्टमैन्ट में जैनिटिक काऊनसलिंग (genetic counselling) के लिए भेजें। काऊनसलर आपके परिवार की पूरी जानकारी लेगें और आपको इस बिमारी के होने के खतरे के बारे में जानकारी देगें।

रीलैप्स होने की सम्भावना को घटाना
Reducing the Chance of Relapse

साएकोसिस से पहले हमेशा एक तनाव भरा समय आता है जो कि साएकोसिस को भड़काने का काम करता है। यह हर रोज़ की परेशानियों से लेकर किसी की मौत या फिर कोई हादसे से हो सकते हैं। तनाव से निपटने के लिए पहले से तरीके विकसित करना रीलैप्स की संभावना घटा देता है। अगर व्यक्ति की ज़िन्दगी में सहायता, शाँती और घरेलू ज़िन्दगी में आराम हो तो समस्या के लौटने की सम्भावना कम हो जाती है।

नशे साएकोसिस का दौरा पडने में सहायी हो सकते हैं और खास कर उन्हें जिनको उत्पति Genetic सम्बन्धी निबलता हो। नशे जैसे कि कोकैन cocaine और अेमफैटेमीनस amphetamines "नशे से हुए साएकोसिस" drug-induced psychosis को पैदा कर सकते हैं। इन नशों का इस्तेमाल बाँद करने से रीलैप्स का खतरा कम हो सकता है।

दवाईयाँ न केवल रीलैप्स का खतरा कम करती हैं बलकि वह साएकोसिस के लक्षणों में भी कमी लाती हैं।

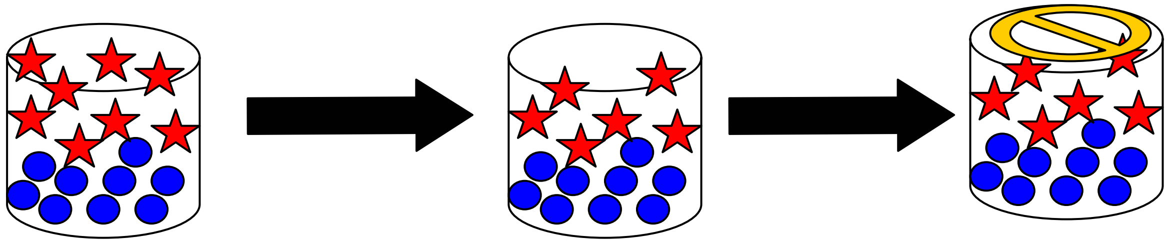

Reduce Sress
Stop using drugs तनाव धटाओ ओर नशे का इस्तेमाल बंद करो

Take Medication
Develop Coping Strategies दवाई लें ओर निभाने की तरकीवें विकसत करें

PSYCHOSIS साएकोसिस
Jar is full बर्तन भरा हुआ है।

Unaffected असर नही
Jar is not full बर्तन भरा हुआ नहीं है।

Unaffected असर नही, अरोग
Jar is not full बर्तन भरा हुआ नहीं है।

● = जैनिटिक निबलता के कारण Genetic vulnerability factors
★ = माहौल से निबलता के कारण Environmental vulnerability factors
⊘ = रक्षा करने वाले Protective factors

11/21/2004